

सच्चे प्यार की मंजिलें

जो कह दिया ,सो कह दिया,
अब और ना कहो ।
हसीन यादों के दरिया में,
अब और ना बहो ।।
सब बातें कहने के,
काबिल नहीं होतीं ।
सच्चे प्यार को मंजिलें,
हासिल नहीं होती ।।
बैठ यादों के सहारे,
जिंदगी कैसे चलेगी ।
बातें पुरानी यादकर,
सिर्फ अंखियां बहेंगीं ।।
यादें सुहानी ताउम्र तक,
साहिल नहीं होतीं ।
सच्चे प्यार को मंजिलें,
हासिल नहीं होतीं ।।
छोड़ो चिरागों की आरजू,
दोस्ती आफ़ताब से करो ।
अगर प्यार ही करना है,
अपने मां-बाप से करो ।।
क्षणिक चाहतें चाहतों के,
काबिल नहीं होतीं ।
सच्चे प्यार को मंजिलें,
हासिल नहीं होतीं ।।

